www.summerexpress.in

समर एक्सप्रेस

R.N.I NO. CHMUL/25/A1155

• साल-1 • अंक-322 • पृष्ठ-8 • मूल्य-5 रूपये • रविवार 26, जुलाई 2026 • चंडीगढ़ • पंजाब • हरियाणा • हिमाचल • ग्रुप एडिटर : अर्शदीप सिंह समर • एग्जीक्यूटिव एडिटर : नितिन उपमन्यु

कारगिल विजय दिवस पर बलिदानियों को नमन... (देखें-पेज 3)

न्यूज ब्रीफ

बाबा फरीद विवि में कार्यवाहक वीसी

फरीदकोट| पंजाब के राज्यपाल एवं बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज फरीदकोट के चांसलर गुलाब चंद कटारिया ने विश्वविद्यालय में नियमित वाइस चांसलर की नियुक्ति होने तक महत्वपूर्ण प्रशासनिक व्यवस्था की है। मनजीत सिंह बराड़ को बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज, फरीदकोट के कार्यवाहक वाइस चांसलर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

बरनाला के किशोर की चिट्टे से गई जान

बरनाला| बरनाला जिले में एक 17 साल के किशोर की नशे के ओवर डोज से मौत हो गई। बताया गया है कि उसे उसका दोस्त ले गया था। नशे के चलते जब हालत बगड़ी तो उसे खेत में छोड़कर भाग गया। मामला बरनाला जिले के गांव नारायणगढ़ सोहिया का है। मृतक दिलप्रीत सिंह गांव के ही युवक सुखविंदर के साथ निकला था। नाबालिग का शव मोगा जिले के बधनी कला के गांव रामा मिला।

आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, तीन काबू

गुवाहाटी| असम पुलिस ने पाकिस्तान स्थित आतंकी नेटवर्क से जुड़े एक मॉड्यूल का भंडाफोड़ कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों के तार पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि मॉड्यूल का नेटवर्क कितना व्यापक है और क्या इसके अन्य सदस्य भी राज्य में सक्रिय हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

सिटीजन रिपोर्टर

अब आप भी बन सकते हैं समर एक्सप्रेस के सिटीजन रिपार्टर। अपने इलाके की कोई भी समस्या, आयोजन, जानकारी या खबर हमें भेजें। आपके नाम के साथ प्रकाशित की जाएगी। अपनी खबर इस फोन नंबर 8699221114 या ईमेल infosummerexpress@gmail.com पर भेजें।

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

If you want to publish your advertisement on our newspaper

समर एक्सप्रेस

CONTACT:
+91 6283 860 059

आंदोलन खत्मः शिक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद जश्न, दीपके बोले- 'हमने कर दिखाया'

सीजेपी ने कहा- प्रदर्शनकारी घर लौट जाएं, सरकार सभी केस वापस लेने व पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा देने पर सहमत

आखिरकार झुकी सरकार, प्रधान का इस्तीफा

एजेंसी | नई दिल्ली

जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन के आगे आखिरकार सरकार को झुकना पड़ा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया। यह फैसला देशभर में चल रहे छात्र आंदोलन व सीजेपी के नेतृत्व में जारी प्रदर्शन के बीच आया।

इस्तीफे के बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों ने जश्न मनाया। सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपके ने कहा- वे कहते थे, इस सरकार में इस्तीफे नहीं होते, लेकिन झुकती है दुनिया, झुकाने वाला चाहिए। वहीं, कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार के साथ बैठक के बाद आंदोलन खत्म करने की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, जितेंद्र सिंह के साथ प्रवक्ता सौरभ दास, आशुतोष रांका ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसका ऐलान किया। सौरभ दास ने कहा कि जंतर-मंतर मौजूद सभी प्रदर्शनकारी अब अपने घर लौट जाएं। रांका ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में सरकार से 3 बार बातचीत हुई। हमारी तीनों मांगें मान ली गई हैं। इनमें धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, सभी केस वापस लिए जाएं व नीट पीड़ितों को एक करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए शामिल हैं।

वहीं, प्रधान ने अपने पत्र में कहा कि पिछले 10 दिनों की घटनाओं से वह बेहद दुखी हैं और जंतर-मंतर व देशभर में बने हालात को देखते हुए उन्होंने यह कदम उठाया है, ताकि राष्ट्रविरोधी ताकतें स्थिति का लाभ न उठा सकें, देश की एकता बनी रहे और विद्यार्थियों का भविष्य कानूनी उलझनों में न फंसे। उन्होंने प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग के लिए आभार भी जताया। आंदोलन के दौरान मंच से परीक्षा विवाद और दबाव के बीच आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों का भी उल्लेख किया गया।

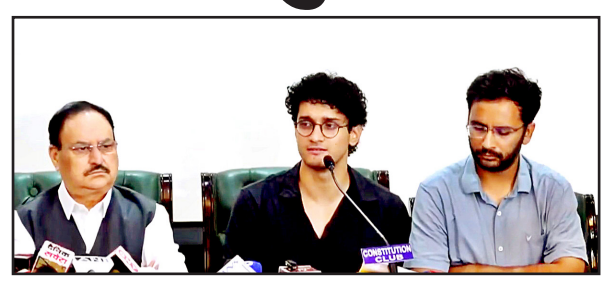

- *जून की शुरुआतः परीक्षा व्यवस्था में कथित अनियमितताओं और विद्यार्थियों से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन की शुरुआत हुई। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई।*
- *9 जूनः सोनम वांगचुक ने छात्रों और परीक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों को लेकर भूख हड़ताल शुरू की।*
- *20 जुलाईः प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई और लाठीचार्ज के बाद विवाद और गहरा गया। आंदोलनकारियों ने सरकार पर दमन का आरोप लगाया।*
- *21 जुलाईः प्रदर्शनकारियों ने प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखा। विपक्ष ने भी सरकार पर दबाव बढ़ाया।*
- *24 जुलाईः सोनम वांगचुक ने 26 दिन का अनशन समाप्त किया।*
- *25 जुलाईः धर्मेंद्र प्रधान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इसके बाद जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों ने जश्न मनाया और इसे आंदोलन की बड़ी जीत बताया।*

वांगचुक बोले- ये लोकतंत्र की जीत

सोनम वांगचुक ने अस्पताल से किए पोस्ट में लिखा- यह लोकतंत्र की जीत है, प्रत्यक्ष लोकतंत्र... सड़कों से मिली जीत। यह शांति, धैर्य और दृढ़ता की जीत है। सीजेपी और जेन-जी को बधाई। देश के हर कोने से उठ खड़े होने के लिए सभी नागरिकों को धन्यवाद।

सत्य की जीत, मोदी के हठ की हारः खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधान के इस्तीफे को सत्य की जीत और प्रधानमंत्री मोदी के हठ की हार बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों की आवाज आखिरकार सत्ता तक पहुंची है। खरगे ने आंदोलनरत युवाओं और उन परिवारों की जीत बताया, जिन्होंने अपने बच्चों को खोया।

सरकार पर क्यों बढ़ा दबाव

सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती परीक्षा व्यवस्था में भरोसा बहाल करने की थी। नीट-यूजी विवाद ने लाखों विद्यार्थियों और अभिभावकों की चिंता बढ़ाई। इसके साथ प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई, आत्महत्या करने वाले विद्यार्थियों के परिवारों के लिए मुआवजा और परीक्षा सुधार जैसे मुद्दे आंदोलन से जुड़ते गए। सरकार ने पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई और सुधारों के संकेत दिए, लेकिन प्रदर्शनकारी मंत्री की जवाबदेही पर अड़े रहे। लगातार प्रदर्शन और विपक्ष के दबाव ने राजनीतिक संकट को भी गहरा किया। आंदोलन देशव्यापी हो गया था। इससे सरकार घबरा गई। सरकार की युवा विरोधी छवि बनने का भी खतरा भी पैदा हो गया था। आंदोलन लंबा खिंचने पर आगामी चुनावों पर भी इसका असर पड़ सकता था।

भागवत के बयान के बाद आया इस्तीफा

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार सुबह दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा था, 'हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता।' आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। भागवत का बयान आने के बाद ही धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दिया।

यह भारत के भविष्य की जीतः राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि यह भारत के भविष्य, यानी छात्रों की जीत है। यह लड़ाई मोदी-आरएसएस वाले अतीत और भारत के भविष्य के बीच है। मुझे भरोसा है कि भारत का भविष्य अतीत को हरा देगा। धर्मेंद्र प्रधान भ्रष्टाचार और शिक्षा व्यवस्था को बर्बाद करने का प्रतीक हैं। अच्छा हुआ कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया।

प्रह्लाद जोशी को मिला शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार

शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की कई दिनों से जारी मांग के बीच राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर केंद्रीय मंत्रिपरिषद से उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। इसके साथ ही केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वह अपने मौजूदा मंत्रालयों के साथ शिक्षा मंत्रालय का कामकाज भी संभालेंगे।

द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक पर विजय दिवस पर कार्यक्रम आज

एजेंसी | द्रास

लद्दाख के द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक पर 27वें कारगिल विजय दिवस की तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। 26 जुलाई को होने वाले मुख्य समारोह में 1999 के कारगिल युद्ध में सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ भी समारोह में शामिल होंगे।

30 जून को थल सेना प्रमुख का पद संभालने के बाद यह उनका कारगिल युद्ध स्मारक का पहला दौरा होगा। समारोह के दौरान अन्य गणमान्य लोगों की भागीदारी को लेकर कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है। कारगिल विजय दिवस के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों से पर्यटक, पूर्व सैनिक और शहीदों के परिजन द्रास पहुंच रहे हैं। युद्ध स्मारक पर पहुंचने वाले लोग वीर सैनिकों को नमन करने के साथ 1999 के युद्ध की यादों से जुड़े स्थलों को भी देख रहे हैं।

- **सैन्य तैयारियों की भी समीक्षाः** *विजय दिवस समारोह से पहले उत्तरी सेना के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा ने लद्दाख में अग्रिम मोर्चों पर तैनात सैन्य इकाइयों का दौरा कर परिचालन तैयारियों और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। समारोह को देखते हुए द्रास और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा तथा यातायात प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।*
- **दिल्ली से द्रास तक शौर्य यात्राः** *कारगिल विजय दिवस के अवसर पर देशभर में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में दिल्ली के राष्ट्रीय युद्ध स्मारक से शुरू हुई 'शौर्य विजय यात्रा' भी द्रास स्थित कारगिल युद्ध स्मारक की ओर बढ़ रही है। यात्रा का उद्देश्य 1999 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि देना और उनके साहस की गाथा को लोगों तक पहुंचाना है। चंडीमंदिर से भी यह यात्रा द्रास के लिए रवाना हुई थी।*

चंडीगढ़ में ओवरलोड स्कूल बस में दरवाजा खुला मिलने पर मानवाधिकार आयोग सख्त

समर न्यूज | चंडीगढ़

चंडीगढ़ में स्कूली बच्चों की सुरक्षा से जुड़ी गंभीर लापरवाही के मामले में पंजाब राज्य मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लिया है। शिकायत के अनुसार, एक स्कूल बस में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठाकर ले जाया जा रहा था और बस का दरवाजा भी खुला हुआ था। बस में कंडक्टर के मौजूद नहीं होने का भी आरोप है। मामले को बच्चों की सुरक्षा से सीधे जुड़ा मानते हुए आयोग ने संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट तलब की है।

मानवाधिकार आयोग ने चंडीगढ़ के शिक्षा विभाग और यातायात पुलिस से मामले में की गई कार्रवाई और जांच की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों से यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि स्कूल बस में निर्धारित क्षमता से अधिक बच्चों को क्यों बैठाया गया और सुरक्षा नियमों का पालन क्यों नहीं हुआ। मामले में बस के संचालक और स्कूल प्रबंधन की जिम्मेदारी भी जांच के दायरे में आ सकती है।

- **स्कूल बसों की सुरक्षा पर सवाल%** *घटना ने शहर में स्कूली परिवहन व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। ओवरलोडिंग, बस में प्रशिक्षित स्टाफ की कमी और चलते वाहन का दरवाजा खुला रहना बच्चों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। अब आयोग की कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग और यातायात पुलिस की रिपोर्ट से यह स्पष्ट होगा कि संबंधित बस के खिलाफ क्या कार्रवाई हुई और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं।*

भारत के स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का प्रदर्शन

एजेंसी | द्रास

भारत ने ड्रोन के बढ़ते खतरे से निपटने की दिशा में स्वदेशी काउंटर-ड्रोन सिस्टम 'भार्गवास्त्र' का सेना के सामने प्रदर्शन किया है। नागपुर में हुए इस प्रदर्शन में सिस्टम ने ड्रोन के झुंड की पहचान कर उन्हें ट्रैक करने और लक्ष्यों को निशाना बनाने की अपनी क्षमता दिखाई। यह प्रदर्शन रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी तकनीक को बढ़ावा देने वाले मेक-2 कार्यक्रम के तहत स्थिति की समीक्षा के दौरान किया गया। सिस्टम को सोलर डिफेंस एंड एयरोस्पेस लिमिटेड ने विकसित किया है।

भार्गवास्त्र को वाहन पर स्थापित किया गया है। इसके कमांड और कंट्रोल वाहन में रडार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल/इन्फ्रारेड सेंसर और निष्क्रिय रेडियो-फ्रीक्वेंसी डिटेक्टर लगे हैं। ये सभी नेटवर्क के जरिए आपस में जुड़े रहते हैं। परीक्षण के दौरान सिस्टम ने ड्रोन के झुंड का पता लगाया, उनकी गतिविधियों को ट्रैक किया और कमांड एवं कंट्रोल प्रणाली के जरिए वास्तविक समय में हवाई स्थिति की तस्वीर तैयार की। लक्ष्य को लॉन्चर वाहन को सौंपने की प्रक्रिया का प्रदर्शन किया गया।

- **ड्रोन के झुंड के खिलाफ उपयोगीः** *भार्गवास्त्र को खास तौर पर एक साथ बड़ी संख्या में आने वाले ड्रोन और घूम-घूमकर हमला करने वाले हथियारों से निपटने के लिए विकसित किया जा रहा है। इसकी बहुस्तरीय व्यवस्था में माइक्रो-रॉकेट और निर्देशित माइक्रो-मिसाइल तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। पहले भी इसके माइक्रो-रॉकेट का परीक्षण किया जा चुका है। कंपनी के अनुसार, सिस्टम के आंतरिक परीक्षण अगले दो-तीन महीनों में पूरे करने का लक्ष्य है। इसके बाद आगे के परीक्षण और सेना की जरूरतों के अनुरूप मूल्यांकन की प्रक्रिया महत्वपूर्ण होगी।*
- **सेना के नेटवर्क से जुड़ने की क्षमताः** *नए प्रदर्शन से यह संकेत मिलता है कि भार्गवास्त्र को केवल एक स्वतंत्र काउंटर-ड्रोन प्रणाली के रूप में नहीं, बल्कि व्यापक वायु रक्षा ढांचे के हिस्से के रूप में विकसित करने पर जोर है। सिस्टम का कमांड, कंट्रोल, संचार और सूचना ढांचा इसे अन्य निगरानी एवं रक्षा प्रणालियों के साथ जोड़ने की दिशा में उपयोगी बना सकता है। हालांकि, सेना के मौजूदा कम्युनिकेशन नेटवर्क के साथ इसके एकीकरण और तैनाती को लेकर अंतिम निर्णय परीक्षणों और मूल्यांकन के बाद ही होगा। ड्रोन युद्ध की बदलती चुनौती के बीच यह तकनीक भारत की स्वदेशी काउंटर-यूएएस क्षमता को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।*

लुधियाना में आईटीआर के नाम पर ठगी टैक्स जमा कराने के बदले दी फर्जी रसीद

लुधियाना| लुधियाना में आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल कराने के नाम पर एक दंपती से कथित धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। आरोप है कि दंपती ने कई वर्षों तक एक व्यक्ति के माध्यम से अपना आयकर रिटर्न दाखिल कराया और टैक्स जमा करने के लिए उसे रकम भी दी।

आरोपी ने उन्हें भुगतान की रसीद देने का दावा किया, लेकिन बाद में पता चला कि दी गई रसीद फर्जी थी और टैक्स की रकम सरकारी खाते में जमा ही नहीं हुई। मामले की शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरोपी दंपती का विश्वास जीतने के लिए लंबे समय से उनका आईटीआर भरता था। हर बार टैक्स की देनदारी बताकर वह यह फर्जीवाड़ा करता था।

निलंबित डीआईजी भुल्लर मामले की सुनवाई टली, गवाह पेश नहीं हुआ

चंडीगढ़| रिश्वत मामले में निलंबित पंजाब पुलिस के डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर और सह-आरोपी कृष्णु शारदा को शुक्रवार को चंडीगढ़ की विशेष सीबीआई अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष का कोई गवाह बयान दर्ज कराने के लिए अदालत में पेश नहीं हुआ।

इसके बाद अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 12 अगस्त 2026 की तारीख तय की। अदालत ने आदेश दिया कि अगली सुनवाई तक दोनों आरोपी न्यायिक हिरासत में रहेंगे और 12 अगस्त को उन्हें फिर शारीरिक रूप से अदालत में पेश किया जाएगा। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के वकीलों के अनुरोध पर अदालत ने उन्हें कुछ समय के लिए अपने मुवक्किलों से मिलने की अनुमति भी दी।

पेज 1 एंकर स्टोरी

2025 में 39,502 विदेशी और 11.83 लाख घरेलू पर्यटक पहुंचे

पांच साल में चंडीगढ़ में विदेशी पर्यटकों की संख्या 625 प्रतिशत बढ़ी

समर न्यूज | चंडीगढ़

चंडीगढ़ ने पिछले पांच वर्षों के दौरान पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। शहर में विदेशी पर्यटकों की संख्या में 625 प्रतिशत और घरेलू पर्यटकों की संख्या में करीब 417 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

संसद के मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की ओर से पेश किए गए आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में चंडीगढ़ आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या 5,451 थी, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 39,502 हो गई। इसी अवधि में घरेलू पर्यटकों की संख्या 2,28,809 से बढ़कर 11,83,503 पहुंच गई। कोरोना महामारी के कारण वर्ष 2021 में चंडीगढ़ का पर्यटन क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित रहा था। उस वर्ष केवल 2,28,809 घरेलू और 5,451 विदेशी पर्यटक शहर पहुंचे। इसके बाद कोविड प्रतिबंधों में ढील और पर्यटन गतिविधियां सामान्य होने के साथ पर्यटकों की संख्या में तेजी से सुधार देखने को मिला।

वर्ष 2022 में घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़कर 30,27,165 हो गई, जबकि विदेशी पर्यटकों की संख्या 28,439 दर्ज की गई। हालांकि, वर्ष 2023 में घरेलू पर्यटकों के आंकड़े में अचानक गिरावट दर्ज की गई। वर्ष 2025 में घरेलू पर्यटकों की संख्या बढ़कर 11,83,503 और विदेशी पर्यटकों की संख्या 39,502 हो गई।

नए पर्यटन आकर्षणों ने बढ़ाई शहर की लोकप्रियता

पर्यटन विभाग के अनुसार, चंडीगढ़ में नए पर्यटन आकर्षण विकसित होने से शहर की ओर पर्यटकों का रुझान बढ़ा है। इंडियन एयर फोर्स हेरिटेज सेंटर और चंडीगढ़ बर्ड पार्क जैसे नए स्थलों ने पर्यटकों के लिए विकल्प बढ़ाए हैं। इसके अलावा यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कैपिटल कॉम्प्लेक्स भी शहर के प्रमुख आकर्षणों में शामिल है। चंडीगढ़ की आधुनिक वास्तुकला और शहर की नियोजित संरचना को लेकर भी देश-विदेश में रुचि बढ़ी है। प्रसिद्ध वास्तुकार ले कॉर्बुजिए की परिकल्पना पर विकसित चंडीगढ़ की वास्तुकला को देखने के लिए बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंच रहे हैं।

सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार

पर्यटन क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने चंडीगढ़ को पर्यटन मानचित्र पर और अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद की है। ट्रैवल इन्फ्लुएंसर्स, ऑनलाइन पर्यटन अभियानों और डिजिटल सामग्री के जरिए शहर के पर्यटन स्थलों को देश-दुनिया के लोगों तक पहुंचाया जा रहा है। इससे खासकर युवा यात्रियों और विदेशी पर्यटकों के बीच चंडीगढ़ को लेकर आकर्षण बढ़ा है।

विरासत को मिलेगा आधुनिक स्वरूप

चंडीगढ़ की वास्तु विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए यूटी प्रशासन ने सेक्टर-19 स्थित ले कॉर्बुजिए सेंटर के ब्लॉक-बी में अत्याधुनिक डिजिटल म्यूजियम स्थापित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा है। यहां आधुनिक तकनीक के जरिए चंडीगढ़ की कहानी और ले कॉर्बुजिए की विरासत को प्रदर्शित करने की योजना है। प्रस्तावित डिजिटल म्यूजियम में वर्चुअल रियलिटी, ऑगमेंटेड रियलिटी, होलोग्राम और इंटरैक्टिव डिजिटल डिस्प्ले जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा।

जीएमसीएच-32 में 99 में से 64 वेंटिलेटर बंद, तिवारी ने लोकसभा में उठाया मामला

सांसद मनीष तिवारी ने पूछा सवाल; केंद्र ने बताया- 35 वेंटिलेटर ही चालू

समर न्यूज | चंडीगढ़

चंडीगढ़ के सेक्टर-32 स्थित सरकारी चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच) में कोविड महामारी के दौरान केंद्र से मिले 99 वेंटिलेटरों में से 64 के काम नहीं करने का मामला लोकसभा में उठा है।

चंडीगढ़ के सांसद मनीष तिवारी ने केंद्र सरकार से पूछा कि बड़ी संख्या में वेंटिलेटर खराब होने की स्थिति में गंभीर मरीजों को पर्याप्त जीवनरक्षक सुविधा कैसे उपलब्ध कराई जा रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने अपने जवाब में बताया कि जीएमसीएच को कोविड काल में कुल 99 वेंटिलेटर दिए गए थे, जिनमें से फिलहाल 35 काम कर रहे हैं। सांसद ने गैर-कार्यशील वेंटिलेटरों के कारण, उनके रखरखाव और कलपुर्जों की उपलब्धता के साथ-साथ ट्रॉमा सेंटर में तकनीकी और प्रशिक्षित कर्मचारियों की स्थिति पर भी जानकारी मांगी थी। मंत्रालय ने कहा कि जीएमसीएच के अनुसार ट्रॉमा सेंटर में डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ पर्याप्त हैं। सरकार ने यह भी बताया कि आईसीयू के सभी उपकरण व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध के तहत आते हैं।

- **गंभीर मरीजों की क्षमता पर सवालः** वेंटिलेटर गंभीर और जीवन संकट से जूझ रहे मरीजों के उपचार में अहम भूमिका निभाते हैं। ऐसे में 99 में से केवल 35 मशीनों का चालू होना अस्पताल की गहन चिकित्सा क्षमता और उपकरणों के रखरखाव को लेकर सवाल खड़े करता है। हालांकि, यह आंकड़ा केवल कोविड के दौरान केंद्र से मिले वेंटिलेटरों का है और अस्पताल में उपलब्ध कुल वेंटिलेटरों की संख्या इससे अलग हो सकती है।
- **मरम्मत और रखरखाव की चुनौतीः** मामले ने महामारी के दौरान खरीदे या उपलब्ध कराए गए चिकित्सा उपकरणों के नियमित रखरखाव की जरूरत को भी सामने ला दिया है। जीएमसीएच की ओर से सभी आईसीयू उपकरणों के रखरखाव अनुबंध में होने की बात कही गई है। अब महत्वपूर्ण सवाल यह है कि बंद पड़े 64 वेंटिलेटरों को कब तक दोबारा चालू किया जाएगा और उनकी खराबी के पीछे तकनीकी समस्या, कलपुर्जों की कमी या अन्य कारण क्या हैं।